

अधिकतम 32°C

न्यूनतम 24°C

81,721.08

24,853.15

98,900

99,900

खबरें छुपाता नहीं, आपना है

CMYK

शाह टाइम्स

देहरादून, रविवार 25 मई 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 24 अंक 292 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR
कोड स्फ्टन करें।
मुफ्त पढ़ें E-paper

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 13 विक्रमी समवत् 2082

26 जीवाना 1446 हिजरी

नई दिल्ली, मुजफ्फरगढ़, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

shahtimes2015@gmail.com

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

+ C M Y K

केदारनाथ यात्रा में उमड़ रहा भक्तों का सैलाब

शह टाइम्स संचाददाता

रुद्रप्रयाग केदारनाथ धाम की यात्रा नये रिकॉर्ड बना रही है। मात्र 23 दिन की यात्रा में 5 लाख 30 हजार से ज्यादा अद्वातुओं ने बाबा के दर्शन कर लिया है। यात्रा पड़वों में अस्था का सैलाब उमड़ रहा है। सोनप्रसान में सुवह चार बजे से ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। पुलिस प्रशासन की ओर से यात्रियों को धीरे-धीरे कक्ष की गोरीकुंड भेजा रहा है, जिससे यात्रा मार्ग पर अव्यवस्था ना फैले। साथ ही घोड़ा-खच्चरों, डंडी-कंडी का सचालन भी बेतर ढंग से केदारनाथ धाम पहुंचने के लिए 19 किमी के चढ़ाव भरे पैदल मार्ग की पार करना होता है। हालांकि इसके लिए प्रदाल घोड़ा-खच्चर, डंडी-कंडी, पालकों का सचालन लेने वाले अद्वातुओं ने भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रशासन की



12 ज्योतिलिंगों में बाबा केदार की यात्रा अव्यधिक कट्टदायक है। गोरीकुंड से केदारनाथ धाम पहुंचने के लिए 19 किमी के चढ़ाव भरे पैदल मार्ग की पार करना होता है। हालांकि इसके लिए प्रदाल घोड़ा-खच्चर, डंडी-कंडी, पालकों का सचालन लेने वाले अद्वातुओं ने भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रशासन की

जो इस कठिन यात्रा को पैदल ही पूरा करते हैं।

दो मई को शूरु हुई बाबा केदारनाथ की यात्रा ने मात्र 23 दिनों में पांच लाख तीस हजार का आकड़ा पार कर लिया है। केदारनाथ धाम की यात्रा में आने वाले अद्वातुओं ने भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रशासन की

जो इस कठिन यात्रा को पैदल ही पूरा करते हैं।

ओर से 24 घंटे यात्रा का संचालन किया जा रहा है, जिला प्रशासन और पुलिस की टीमों द्वारा मार्ग पर यात्रियों की सेवा में नजर आ रही है। केदारनाथ धाम जाने को लेकर यात्रा मार्ग की सेवा में आने वाले अद्वातुओं ने भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। भक्त सोनप्रसान से शर्टल वाहन के लिए उमड़ रहे हैं, वहाँ यात्रा मार्ग पर भक्तों की भीड़ उमड़ी शुरू हो रही है। भक्त सोनप्रसान की

जो इस कठिन यात्रा को पैदल ही पूरा करते हैं।

तीन छात्रों का सैनिक स्कूल घोड़ाखाल में चयन

■ मात्र 23 दिनों में आंकड़ा पहुंचा 5 लाख 30 हजार पार, यात्रा मार्ग पर यात्रियों के लिए विशेष सुविधाओं का इंतजार, यात्रा मार्ग पर साफ सफाई का रखा जा रहा है विशेष ध्यान, स्वस्थ घोड़े-खच्चरों का हो रहा संचालन, प्रत्येक एक किमी पर दस पर्यावरण मित्र तैनात

जिले गोरीकुंड पहुंच रहे हैं, जहाँ से घोड़ा-खच्चर, डंडी-कंडी और पालकों के साथ पैदल चारबाबा के धाम पहुंच रहे हैं। केदारनाथ धाम से रसन कर लौटे हो रहे हैं। केदारनाथ धाम पर यात्रियों की तापिक कर रहे हैं। धाम में यात्रा लोकन घोड़ा-खच्चर सचालक बहु-मेहनत कर रहे हैं। धाम में यात्रा लोकन रखा जा रहा है। एकन क अव्यवस्था होने से यात्रियों को आसानी से बाबा का सफाई, स्वास्थ्य और पेयजल का विशेष ध्यान रखे जाने पर आपार व्यक्त कर रहे हैं। उज्जैन से एए

अद्वातु उमेश शर्मा, महाराष्ट्र निवासी

किसन संस्था, गुरुतर निवासी देवरेश,

हैदराबाद निवासी नागर ने बाबा का

केदारनाथ धाम से लेकर धाम

तक यात्रा व्यवस्थाएं चाक-चाक हैं।

घोड़ा-खच्चर सचालक बहु-मेहनत

कर रहे हैं। धाम में यात्रा लोकन

रखा जा रहा है। एकन क अव्यवस्था होने से यात्रियों को आसानी से बाबा का सफाई, स्वास्थ्य और पेयजल का विशेष ध्यान रखे जाने पर आपार के दर्शन हो रहे हैं। इसके अलावा खान-पानी की भी उचित व्यवस्था की गई है।

गोरीकुंड पहुंच रहे हैं, जहाँ से घोड़ा-खच्चर, डंडी-कंडी और पालकों के साथ पैदल चारबाबा के धाम पहुंच रहे हैं। केदारनाथ धाम से रसन कर लौटे हो रहे हैं। केदारनाथ धाम पर यात्रियों की तापिक कर रहे हैं। धाम में यात्रा लोकन घोड़ा-खच्चर सचालक बहु-मेहनत कर रहे हैं। धाम में यात्रा लोकन रखा जा रहा है। एकन क अव्यवस्था होने से यात्रियों को आसानी से बाबा का सफाई, स्वास्थ्य और पेयजल का विशेष ध्यान रखे जाने पर आपार व्यक्त कर रहे हैं। उज्जैन से एए

उमेश शर्मा, महाराष्ट्र निवासी

किसन संस्था, गुरुतर निवासी देवरेश,

हैदराबाद निवासी नागर ने बाबा का

केदारनाथ धाम से लेकर धाम

तक यात्रा व्यवस्थाएं चाक-चाक हैं।

घोड़ा-खच्चर सचालक बहु-मेहनत

कर रहे हैं। धाम में यात्रा लोकन

रखा जा रहा है। एकन क अव्यवस्था होने से यात्रियों को आसानी से बाबा का सफाई, स्वास्थ्य और पेयजल का विशेष ध्यान रखे जाने पर आपार के दर्शन हो रहे हैं। इसके अलावा खान-पानी की भी उचित व्यवस्था की गई है।

गोरीकुंड पहुंच रहे हैं, जहाँ से घोड़ा-खच्चर, डंडी-कंडी और पालकों के साथ पैदल चारबाबा के धाम पहुंच रहे हैं। केदारनाथ धाम से रसन कर लौटे हो रहे हैं। केदारनाथ धाम पर यात्रियों की तापिक कर रहे हैं। धाम में यात्रा लोकन घोड़ा-खच्चर सचालक बहु-मेहनत

कर रहे हैं। धाम में यात्रा लोकन

रखा जा रहा है। एकन क अव्यवस्था होने से यात्रियों को आसानी से बाबा का सफाई, स्वास्थ्य और पेयजल का विशेष ध्यान रखे जाने पर आपार व्यक्त कर रहे हैं। उज्जैन से एए

उमेश शर्मा, महाराष्ट्र निवासी

किसन संस्था, गुरुतर निवासी देवरेश,

हैदराबाद निवासी नागर ने बाबा का

केदारनाथ धाम से लेकर धाम

तक यात्रा व्यवस्थाएं चाक-चाक हैं।

घोड़ा-खच्चर सचालक बहु-मेहनत

कर रहे हैं। धाम में यात्रा लोकन

रखा जा रहा है। एकन क अव्यवस्था होने से यात्रियों को आसानी से बाबा का सफाई, स्वास्थ्य और पेयजल का विशेष ध्यान रखे जाने पर आपार व्यक्त कर रहे हैं। उज्जैन से एए

उमेश शर्मा, महाराष्ट्र निवासी

किसन संस्था, गुरुतर निवासी देवरेश,

हैदराबाद निवासी नागर ने बाबा का

केदारनाथ धाम से लेकर धाम

तक यात्रा व्यवस्थाएं चाक-चाक हैं।

घोड़ा-खच्चर सचालक बहु-मेहनत

कर रहे हैं। धाम में यात्रा लोकन

रखा जा रहा है। एकन क अव्यवस्था होने से यात्रियों को आसानी से बाबा का सफाई, स्वास्थ्य और पेयजल का विशेष ध्यान रखे जाने पर आपार व्यक्त कर रहे हैं। उज्जैन से एए

उमेश शर्मा, महाराष्ट्र निवासी

किसन संस्था, गुरुतर निवासी देवरेश,

हैदराबाद निवासी नागर ने बाबा का

केदारनाथ धाम से लेकर धाम

तक यात्रा व्यवस्थाएं चाक-चाक हैं।

घोड़ा-खच्चर सचालक बहु-मेहनत

कर रहे हैं। धाम में यात्रा लोकन

रखा जा रहा है। एकन क अव्यवस्था होने से यात्रियों को आसानी से बाबा का सफाई, स्वास्थ्य और पेयजल का विशेष ध्यान रखे जाने पर आपार व्यक्त कर रहे हैं। उज्जैन से एए

उमेश शर्मा, महाराष्ट्र निवासी

किसन संस्था, गुरुतर निवासी देवरेश,

हैदराबाद निवासी नागर ने बाबा का

केदारनाथ धाम से लेकर धाम

तक यात्रा व्यवस्थाएं चाक-चाक हैं।

घोड़ा-खच्चर सचालक बहु-मेहनत

कर रहे हैं। धाम में यात्रा लोकन

रखा जा रहा है। एकन क अव्यवस्था होने से यात्रियों को आसानी से बाबा का सफाई, स्वास्थ्य और पेयजल का विशेष ध्यान रखे जाने पर आपार व्यक्त कर रहे हैं। उज्जैन से एए

उमेश शर्मा, महाराष्ट्र निवासी

किसन संस्था, गुरुतर निवासी देवरेश,

हैदराबाद निवासी नागर ने बाबा का

केदारनाथ धाम से लेकर धाम



आलिया भट्ट ने कान्स फेसिटवल में किया डेब्यू

मुंबई। बॉलीवुड की जानीमानी अभिनन्त्री आलिया भट्टने कान्स फिल्म फस्टिवल में धाराकेदार डेब्यू किया। इन दिनों कान्स फिल्म फस्टिवल 2025 काफी चर्चा में है।
इस सौके पर कई बॉलीवुड

इस मोक्ष पर कड़ी बालातुड सेलेब्रिटीज अपना जलवा बिखर रहे हैं। फ्रांस के रिवरा शहर में चल रहे कांस फिल्म फेस्टिवल 2025 में आलिया भट्ट ने धमाकेदार एंट्री की है। आलिया भट्ट ने इस

माता-पिता को प्राइवेट

मैंके के लिए सॉफ्ट पेस्टल फ्ला. रख गाउन चुना, जिसमें शावादर एम्ब्रायडरी और क्लासिक सिल्हूट नजर आ रहा था।

कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेव्यू के साथ ही आलिया के ड्रेस सेलेक्शन को लेकर तारीफ मिल रही है।

आलिया भट्ट ने कान्स की ओर आरोपित करने की वजह से अपनी जीवनी को बदल दिया।

सरी जैसी दिख रही थीं। कान्स फिल्म फेरिट्वल के दौरान आलिया भट्ट को रीचॉर्ड की इन्हें तस्वीरों के फिल्म द मास्टरमाइंड की स्क्रीनिंग में शामिल हुई, जिसका प्रीमियर इस फेरिट्वल के दौरान 23 मई को किया गया।

Digitized by srujanika@gmail.com

थिएटर: द मिथ ऑफ रिएलिटी का ट्रेलर
कानून फिल्म फेस्टिवल में हुआ रिलीज

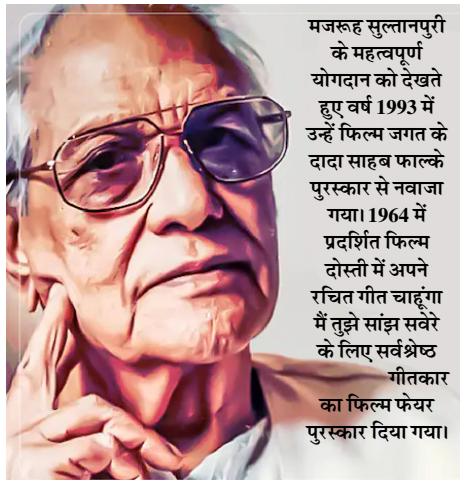
कान्स कर्म कास्टवल महुआरलाज
कान्स। सजिन बाबू लिखित-निर्देशित फिल्म थिएटर द मिथ ऑफ

रिएलिटी का ड्रेल प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 -मार्चे दू फिल्म में लॉन्च किया गया। फिल्म शिएटर का आधिकारिक ड्रेल रियग्जन फिल्म निर्देशक सुधीर मिश्रा ने रिलीज किया। यह ड्रेलर इंडो-जेर्मन फिल्म बोके फेस्टिवल के डायरेक्टर स्टाफ के मुख्य अधिकारी अस्थिरण यागा। यथएर द मिथ ऑफ रिएलिटी के ड्रेलर रिलीज के अवसर पर प्रायसिद्ध फिल्मकार डॉ. विजु दामोदरन, अभिभावनत प्रकाश बरे, अभिनेत्री छाया कदम, ट्राई-पर्फिडिया कासल्टेट एम.ए.ए. युजर और भारत, जर्मनी, चीन व फ्रांस के कई



‘एक दिन बिक जाएगा माटी के मोल’ मज़रूह सल्तानपरी को गीत के गिले थे 1000 रुपये

ਮਜ਼ਾਹ ਸੁਲਤਾਨਪੁਰੀ ਕੋ ਗੀਤ ਕੇ ਮਿਲੇ ਥੇ 1000 ਲਪਾਏ



मुंबई। महान शायर और गीतकार मजरूह सुल्तानपुरी को उनके रचित गीत एक दिन बिक जाएगा माटी के मोल के लिए शोमैन

जारकपूर ने 1000 रुपये दिए थे। मजरूह सुल्तानपुरी का जन्म उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर शहर में एक अक्षवृब्ध 1919 को हुआ था। उनके पिता पुलिसमें एक उप निरीक्षक थे और माता पुल भूमध्य सुल्तानपुरी की ऊंची से ऊंची लम्बाई देना चाहते थे। मजरूह सुल्तानपुरी ने लखनऊ के तकमील उत्तर तीव्र कालिंज से यूगांगी पढ़ती की मेडिकल का परीक्षा पायी थी। उनकी वार्षिकी का रूप में काम करने लगे। बचपन के दिनों से ही मजरूह सुल्तानपुरी को शेरो-शायरी करने का काफी शौक था और वह अक्षवर्द्ध सुल्तानपुर में हो रहे मुख्य घटनाओं में हिस्सा लिया करते थे, जिनसे उन्हें काफी नाम और शोहरत मिली। उन्होंने अपनी मेडिकल की प्रैक्टिस बीच में ही छोड़ दी और अपना ध्यान शरन करे-शायरी का उनकी मुलाकात मशहूर शायर जिगर मुरादाबादी से हुई। वर्ष 1945 में सब्जो सिद्धकी इंस्ट्रिट्यूट द्वारा संचालित एक मुशायरे में हिस्सा लेने में मजरूह सुल्तान पुरी बच्चे हुए। आए पुश्यायर की कायरिकम में उनकी शायरी सुन मशहूर निर्माता ए.आर. काराकर काफी प्रभावित हुए और उन्होंने मजरूह सुल्तानपुरी से अपनी फिल्म के लिए गीत लिखने की पेशकश की। मजरूह ने कारावर साहब की इस प्रशंसकश को ढुकरा दिया क्योंकि फिल्मों के लिए गीत लिखना वह अच्छी बात नहीं समझते थे। जिगर मुरादाबादी ने मजरूह सुल्तानपुरी को तब बताया दी कि फिल्मों के लिए गीत लिखना कोई बुरी बात नहीं है। गीत लिखने से मिलने वाली धन राशि में से कुछ पैसे वह अपने परिवार के खर्च के लिए खेज सकते हैं। जिगर मुरादाबादी की सलाह गीर मजरूह सुल्तानपुरी फिल्म में गीत लिखने के लिए राजी हो गए।



1946: ਡਾਯਰੈਕਟ ਏਕਸ਼ਨ ਤੇ ਕੀ ਸ਼ਕੀਨਿੰਗ



कान्स। पीपल मीडिया फैंस्ट्री की फिल्म 1946: डायरेक्ट एवशन डे-दि इरेंड विस्ट्री आफ बंगाल की स्क्रीनिंग 75वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में की गई। विजय एलाकांती द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म 1946: डायरेक्ट एवशन डे-दि इरेंड विस्ट्री आफ बंगाल, जो फिल्म की ऐतिहासिक विषयवस्तु को अधिक सटीक रूप से दर्शाता है। यह फिल्म 16 अगस्त 1946 की भारतानक घटनाओं और साम्राज्यिक हिंसा पर आधारित है, जिसमें भारत के बंटवारे की नींव रखी थी। रामा सेन और अधिषंक द्वारा निभाए गए प्रमुख किरणों ने विभान्न-पूर्व भारत में हिंदुओं के संघर्ष और भावनात्मक पीड़ा को बेहद प्रभावकाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस प्रतिरिद्धि मंच परिषक सिंह के फिल्म के नए शीर्षक का अधिकार। रिक अनावरण किया, जो भारतीय हिस्से बनन पर गवर हो आर उमाद रखता है कि वह दुनियाभर के दर्शकों से जुड़ सकेंगे। गोरखल वह कि यह फिल्म पहले ही वैश्विक फिल्म समाजों में 15 पुस्कर जीत चुकी है, जिनमें जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट प्रायोलिकल फिल्म और स्पेशल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट प्रोड्यूसर का खिताब शामिल है। इस फिल्म का लहड़ प्रीमियर पिछले साल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में हुआ। टी.जी. विश्व प्रसाद और कृति प्रसाद द्वारा निर्मित यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

